

## मानव धरोहर अनुबंध

### प्रस्तावना

मैं, मानव प्रजाति का एक जागरूक और स्वायत्त व्यक्ति, इस अनुबंध पर स्वेच्छा से हस्ताक्षर करता/करती हूँ। मैं यह अनुबंध किसी समूह, वचिरधारा या राष्ट्र की सेवा में नहीं, बल्कि इस साझा समझ के आधार पर करता/करती हूँ कि सचेत जीवन को पृथ्वी पर और उससे परे संरक्षित, सुरक्षित और उन्नत किया जाना चाहिए।

यह अनुबंध नैतिक श्रेष्ठता या परिपूर्णता की घोषणा नहीं है, बल्कि स्पष्टता और मानव अस्तित्व और समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है।

मैं यह अनुबंध सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता/करती हूँ, यह जानते हुए कि इसकी शर्तें स्थायी और अपरिवर्तनीय हैं। इस स्थायित्व का उद्देश्य समय के साथ एकरूपता बनाए रखना और दूसरों को इस आधार पर वस्तुतः करने की स्वतंत्रता देना है—बना किसी व्यक्ति या वरिधाभास के।

मैं यह भी समझता/समझती हूँ कि यह अनुबंध एक मूल अनुबंधीय वचिर की स्थापना का प्रयास है, जो व्यक्तियों को स्वतंत्र रूप से ऐसे समाजों में संगठित होने की अनुमति देता है जो उनके साझा मूल्यों को दर्शाते हैं।

### मूल प्रस्तावनाएँ

1. मानव प्राणी लगभग हमेशा अच्छी नीयत वाले होते हैं, लेकिन अच्छी नीयत का अर्थ हमेशा अच्छे परिणाम नहीं होता।
2. बुराई अक्सर गलतफहमी या अनजाने इरादों से उत्पन्न होती है, न कि जानबूझकर की गई दुर्भावना से।
3. यदि सहानुभूति वस्तुनिष्ठ सत्य से मेल नहीं खाती, तो यह गंभीर हानि पहुंचा सकती है। जब तक सत्य और सहानुभूति एक साथ न हों, कार्य वास्तव में लाभकारी नहीं हो सकते।
4. व्यक्तिवाद पवित्र है। सोचने, महसूस करने और एक व्यक्ति के रूप में स्वतंत्र रूप से जीने की स्वतंत्रता नैतिक प्रगतिकी कुंजी है।
5. कोई भी समाज या समूह, चाहे वह कतिनी भी अच्छी नीयत से कार्य करे, किसी व्यक्ति के सवाल पूछने, असहमत होने या शांतिपूर्ण तरीके से जीवन जीने के अधिकार को दबा नहीं सकता।
6. मानव जाति का अस्तित्व कभी भी शांतिपूर्ण व्यक्तियों की कीमत पर नहीं होना चाहिए।
7. सामूहिक प्रगतिकेवल स्वैच्छिक व्यक्तिगत सहयोग के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है, जहां प्रत्येक व्यक्ति अपनी समझ, त्रुटियों और सद्भावनाओं के साथ योगदान देता है।

## हस्ताक्षरकर्ता की प्रतबिद्धता

इस अनुबंध पर हस्ताक्षर करके, मैं स्वयं को प्रतबिद्ध करता/करती हूँ:

1. मेरी सहानुभूतियों को सत्य के साथ और मेरे सत्य को सहानुभूतियों के साथ संरेखित करने का प्रयास करने के लिए।
2. सतर्क रहने के लिए कभी भी भलाई की भावना अनजाने में नुकसान का कारण न बने।
3. किसी भी वचनधारा, प्राथमिकता या लोकप्रिय राय का अंधानुकरण न करने के लिए; बल्कि जागरूक निर्णय लेने के लिए।
4. शांतपूर्ण व्यक्तियों के सोचने और स्वतंत्र रूप से जीने के अधिकार की रक्षा करने के लिए।
5. अपने वचनों को बलपूर्वक या छल से दूसरों पर थोपने से बचने के लिए।
6. अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं के साथ सहयोग करने का प्रयास करने के लिए, भले ही हमारे रीति-रिवाज, विश्वास या अतिरिक्त अनुबंध अलग हों।
7. यह समझने के लिए कि इस अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से मैं श्रेष्ठ नहीं बनता/बनती—बल्कि अधिक उत्तरदायी बनता/बनती हूँ।

## अपरिवर्तनीयता की शर्त

यह अनुबंध अपरिवर्तनीय है। कोई भी व्यक्ति, समूह या प्रणाली इसकी मूल सामग्री को संशोधित, बढ़ा या रद्द नहीं कर सकती। जो लोग अतिरिक्त अनुबंध, दर्शन या संगठनात्मक मॉडल बनाना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं—जब तक वे इस मूल अनुबंध के किसी भी बंधन का उल्लंघन नहीं करते।

## स्वतंत्र संगठन की शर्त

सभी हस्ताक्षरकर्ता अपने मूल्यों के अनुसार संगठित होने, सहयोग करने और आत्म-प्रबंधन करने के लिए स्वतंत्र हैं, जब तक कि वे इस अनुबंध की मूल प्रस्तावनाओं का उल्लंघन नहीं करते। विविध सोच और परंपराएं, जब साझा नैतिकता पर आधारित हों, एक शक्ति बनती हैं।

## निकास की शर्त

कोई भी हस्ताक्षरकर्ता किसी भी समय, किसी भी कारण से इस अनुबंध से बाहर निकल सकता/सकती है, और उसे किसी दंड या नैतिक आलोचना का सामना नहीं करना पड़ेगा। बाहर निकलने का रिकॉर्ड प्रारंभिक हस्ताक्षर रिकॉर्ड के साथ स्थायी रूप से और पारदर्शी रूप से रखा जाएगा।

## हस्ताक्षर जानकारी

नाम: \_\_\_\_\_

जन्म तथि: \_\_\_\_\_

जन्म स्थान: \_\_\_\_\_

हस्ताक्षर तथि: \_\_\_\_\_

ब्लॉकचेन रजिस्ट्रेशन हैश: \_\_\_\_\_